संसद सदस्यों ने डॉ. जी.एस. ढिल्लों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2015: लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन; केंद्रीय शहरी विकास, आवास और शहरी गरीबी उपशमन तथा संसदीय कार्य मंत्री, श्री एम वेंकैया नायडू; लोक सभा उपाध्यक्ष, डॉ एम तंबिदुरै; राज्य सभा के उप सभापति, प्रोफेसर पी. जे. कुरियन; केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता और संसदीय कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री राजीव प्रताप रूडी; पूर्व उप प्रधानमंत्री और आचार समिति (लोक सभा) के सभापति, श्री लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में संसद सदस्यों ने आज लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जी.एस. ढिल्लों को उनकी वर्षगांठ पर संसद के केन्द्रीय कक्ष में श्रद्धांजलि दी ।

अनेक संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों तथा लोक सभा के महासचिव श्री अनूप मिश्र और राज्य सभा के महासचिव श्री शमशेर के. शेरिफ ने भी डॉ. ढिल्लों को पुष्पांजलि अर्पित की।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विशिष्टजनों को लोक सभा सचिवालय द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित डॉ. ढिल्लों के जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भेंट की गई ।

डॉ. जी.एस. ढिल्लों का व्यक्तित्व बहुआयामी था । उनकी रुचियों में कानून, पत्रकारिता और शिक्षा तथा खेल-कूद से लेकर संवैधानिक अध्ययन तक शामिल था । डॉ. ढिल्लों ने अपना संसदीय करियर 1952 से 1967 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य के रूप में शुरू किया । वह 1952 में विधान सभा के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए और 1954 तक इस पद पर रहे । वह 1954 में अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए और 1962 तक इस पद पर रहे । 1965-66 के दौरान वह पंजाब सरकार में मंत्री रहे । वह 1967 में लोक सभा के लिए चुने गए । 8 अगस्त, 1969 को उन्हें सर्वसम्मति से चौथी लोक सभा का अध्यक्ष चुना गया । 1971 में पाँचवीं लोक सभा के लिए निर्वाचित होने पर डॉ. ढिल्लों को 22 मार्च, 1971 को पुनः लोक सभा अध्यक्ष के रूप में चुना गया । वह आठवीं लोक सभा के सदस्य भी रहे ।

डॉ. ढिल्लों 1 दिसम्बर, 1975 को अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देकर केन्द्रीय मंत्रिमंडल में पोत परिवहन और सड़क परिवहन मंत्री बने । वह 12 मई, 1986 से 14 फरवरी, 1988 तक कृषि मंत्री रहे ।

अपने लंबे और विशिष्ट सार्वजनिक जीवन में डॉ. ढिल्लों ने योजना आयोग के सदस्य तथा कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त सहित विभिन्न पदों पर रहते हुए देश की सेवा की ।

23 मार्च, 1992 को डॉ. ढिल्लों का निधन हो गया ।